सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 297 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 8 दिसम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

सचिन समर्थकों के पोस्टर हटने से राजस्थान... 7

एमसीडी चुनाव : आम आदमी की... 3

नगर निकाय चुनाव के लिए सपा... 2

आपको भविष्य में झांकना होगा और पता लगाना होगा कि करना क्या है क्योंकि शिकायत करना कोई रणनीति नहीं है।

-जेफ बेज़ोस

गुजरात में 'कमल', हिमाचल में 'हाथ'
यूपी में तेज दौड़ी 'साइकिल'

गुजरात	
पार्टी	जीतीं सीटें
भाजपा	157
कांग्रेस	17
आप	05
अन्य	03

हिमाचल	
पार्टी	जीतीं सीटें
कांग्रेस	40
भाजपा	25
अन्य	03

उपचुनाव

उत्तर प्रदेश	
सीट	रूझान
मैनपुर लोस	सपा
खतौली विस	रालोद
रामपुर विस	भाजपा

बिहार	
सीट	रूझान
कुढ़नी विस	भाजपा

छत्तीसगढ़	
सीट	रूझान
भानूप्रतापपुर विस	कांग्रेस

राजस्थान	
सीट	रूझान
सरदारशहर विस	कांग्रेस

ओडिशा	
सीट	रूझान
पदमपुर विस	बीजद

खतौली में 'नल' ने किया छह साल का सूखा खत्म

समाजवादी पार्टी के सहयोगी दल राष्ट्रीय लोक दल ने खतौली विधानसभा सीट पर जीत दर्ज कर छह साल के सूखे को खत्म कर दिया है। यहां राष्ट्रीय लोक दल ने आखिरी चुनाव 2012 में जीता था। 2017 व 2022 आम चुनाव में रालोद को भाजपा के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। उपचुनाव में सपा-रालोद गठबंधन ने गुर्जर प्रत्याशी मदन भईया को मैदान में उतारा था जिन्होंने भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी सैनी को बड़े अंतर से हराकर खतौली सीट को फिर से रालोद की झोली में डाल दिया है। इस जीत के साथ ही विधानसभा में रालोद विधायकों की संख्या आठ से बढ़कर नौ हो गयी है।

मोदी के गढ़ में भी खुला सपा का खाता

अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने इस बार गुजरात के आम चुनाव में अपना खाता खोल लिया है। समाजवादी पार्टी ने गुजरात की कुतियाना विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की है। यहां साइकिल के सिंबल पर कांधल जडेजा विजयी हुए हैं। उन्होंने भाजपा के प्रत्याशी को करीब 26000 मतों के अंतर से मात दी है। इससे पूर्व भी कांधल जडेजा दो बार इस सीट से विधायक निर्वाचित हो चुके हैं। सपा के लिए यूपी उपचुनाव के साथ ही गुजरात से भी खुशी की खबर है।

आजम खां के गढ़ रामपुर में फिर फिसली सपा से जीत

समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खां के गढ़ रामपुर में इस बार भी उपचुनाव में पार्टी के हाथ से जीत फिसल गई है। समाचार लिखे जाने तक रामपुर में भाजपा प्रत्याशी के चुनाव जीतने की खबर मिली है, हालांकि निर्वाचन आयोग ने परिणाम घोषित नहीं किया था। सपा प्रत्याशी आसिम राजा को लोकसभा उपचुनाव में भी रामपुर सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। इस बार यहां से भाजपा के आकाश सक्सेना के चुनाव में विजयी होने की खबर है। मतगणना की शुरूआत में सपा रामपुर सीट भी आगे चल रही थी, लेकिन शाम होते-होते वह पिछड़ गई और भाजपा ने सपा पर बढ़त बना ली।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गुजरात और हिमाचल प्रदेश के आम चुनाव तथा यूपी समेत पांच राज्यों में हुए उपचुनाव के रूझानों में जहां गुजरात में फिर से कमल खिल गया वहीं, हिमाचल प्रदेश को कांग्रेस ने भाजपा से छीन लिया है। यहां हाथ ने कमल पर बाजी मार ली। यूपी उपचुनाव में मैनपुरी लोकसभा व दोनों विधानसभा खतौली और रामपुर में भी सपा-रालोद गठबंधन भाजपा से आगे है। राजस्थान व छत्तीगढ़ की एक-एक सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। ओडिशा में बीजद ने भाजपा को हराया है जबकि बिहार की एक मात्र कुढ़नी विधानसभा सीट पर भाजपा ने जदयू को हरा दिया।

गुजरात में जहां मतगणना की शुरूआत से ही भाजपा का कमल खिलता दिखाई दिया। वहीं, यूपी में उपचुनाव की तीनों सीटों पर सपा की साईकिल रफ्तार पकड़े रही। हिमाचल में शुरुआती रुझानों में कांग्रेस व भाजपा के बीच कड़ी टक्कर रही, मगर वोटों की गिनती की संख्या बढ़ने की साथ ही कांग्रेस सीटों की संख्या भी बढ़ती चली गई। गुजरात में जहां भाजपा को फिर से पूर्ण बहुमत दे दिया है। इस बार हिमाचल के लोगों ने उसे नकार दिया और यहां कांग्रेस को पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने का अवसर दिया है। गुजरात की जीत से भाजपाई गदगद है लेकिन हिमाचल की हार से उन्हें बड़ा झटका लगा है। उधर यूपी के उपचुनाव में पिछड़ी भाजपा को जश्न मनाने का मौका नहीं मिल सका। हालांकि समाजवादी पार्टी कार्यालय पर समर्थकों ने मैनपुरी में हुई डिंपल यादव की जीत का जमकर जश्न मनाया।

नगर निकाय चुनाव के लिए सपा ने कसी कमर, जारी किया संदेश

समाजवादी पार्टी ने उम्मीदवारों के लिए फिक्स किया क्राइटीरिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपचुनाव के बीच समाजवादी पार्टी ने यूपी नगर निकाय चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों का आरक्षण जारी होने के बाद सपा ने नगर निकाय चुनावों के लिए पूरी तरह से कमर कस ली है। समाजवादी पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं के लिए स्पष्ट संदेश जारी कर दिया है। सपा कार्यालय लखनऊ की ओर से एक फॉर्म भी जारी किया गया है, जिसमें लोगों को कुछ जानकारियां भरनी होंगी। इस फॉर्म के आधार पर ही पार्टी तय करेगी कि सपा के टिकट पर कौन व्यक्ति नगर निगम और मेयर का चुनाव लड़ सकता है। आसान शब्दों में समझें तो पार्टी ने एक क्राइटीरिया फिक्स कर दिया है।

नए आदेश के मुताबिक, नगर निगम चुनाव और मेयर चुनाव के लिए सभी कैंडिडेट का सपा में सक्रिय सदस्य होना अनिवार्य है। यही नहीं समाजवादी बुलेटिन का आजीवन सदस्य बनना भी अनिवार्य है। समाजवादी पार्टी ने सभी जिला अध्यक्ष सहित पार्टी के सभी पदाधिकारियों को पत्र जारी कर निर्देश दिया है। यह नगर पालिक अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवारों पर भी लागू होगा। इसके साथ ही पार्टी ने एक फॉर्म जारी किया है। जिसमें कि नाम, पते के साथ आजीवन सदस्य हैं या नहीं, सब डिटेल भरकर बतानी होगी। यह निर्देश सपा नेता और प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की ओर से जारी किया गया है।

आरक्षण लगभग फाइनल

बता दें कि यूपी में नगर निकाय चुनाव को लेकर परिसीमन के बाद आरक्षण की तस्वीर भी साफ हो गई है। इसके मुताबिक, 17 नगर निगम में मेयर पद के लिए 2 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित की गई हैं। इसमें 2 सीटों में एक सीट महिला के लिए रिजर्व की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश नगर निगम में 4 सीटें पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित की गई हैं। इसमें 2 सीटें महिला के लिए रिजर्व रखी गई हैं।

अखिलेश-शिवपाल की नजदीकी से मेयर के दावेदारों में बढ़ी बैचेनी

एक ओर समाजवादी पार्टी नगर निकाय चुनाव के लिए पूरी तरह से अपनी तैयारियों में जुट गई है, तो वहीं दूसरी ओर पार्टी के सामने मेयर टिकट के दावेदारों को लेकर भी माथापच्ची होनी शुरू हो गई है। दरअसल, अखिलेश यादव और शिवपाल यादव की नजदीकियां बढ़ने से अब सपा और प्रसपा के मेयर टिकट के दावेदारों के दिल धड़कने भी बढ़ने लगी हैं। उसका कारण ये है कि जब अखिलेश और शिवपाल एक साथ हो गए हैं, तो फिर अब दोनों की ओर से एक ही प्रत्याशी मैदान में उतारा जाएगा। ऐसे में शिवपाल की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) जिसने अबसे डेढ़ महीने पहले ही एक बैठक में मेयर पद के लिए प्रत्याशी की घोषणा कर दी थी। अब सपा में मेयर पद के दावेदारों को यह डर सता रहा है कि कहीं पार्टी चाचा के कैंडिडेट को मैदान में न उतार दे। ऐसे में ये दावेदार प्रदेश और राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यालय का भी चक्कर काट रहे हैं। प्रसपा के प्रमुख महासचिव अजय त्रिपाठी मुन्ना को लखनऊ नगर निगम में मेयर पद का उम्मीदवार घोषित किया गया था। अजय साल 2012 में भी सपा के समर्थन से मेयर का चुनाव लड़े थे। फिर प्रसपा बनने के बाद वह शिवपाल यादव के साथ चले गए। उन्हें दोनों पार्टी के गठबंधन के बाद सबसे मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा है। सपा से मेयर पद के लिए नगर अध्यक्ष सुशील दीक्षित अपने नाम की दावेदारी कर रहे हैं। तीन दिन पहले मैनपुरी लोकसभा चुनाव करवाने के बाद लौटे सुशील ने हाईकमान के सामने मेयर टिकट के लिए अपना नाम पेश कर दिया है। वहीं, पिछली बार मेयर पद की प्रत्याशी रहीं मीरा वर्धन भी फिर से दावा कर रही हैं। तीसरा नाम महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह का है। वहीं, केकेसी के छात्र नेता अमरपाल सिंह भी मेयर के टिकट के लिए पार्टी दफ्तर के चक्कर लगा रहे हैं।

आगरा मेयर सीट

दलित-मुस्लिम गठजोड़ बढ़ा सकता है भाजपा की मुश्किलें

अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित हुई है सीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। प्रदेश में नगर निकाय चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। आरक्षण की तस्वीर साफ होने के बाद अब हर जिले में और हर सीट पर सभी राजनीतिक दल अपना-अपना समीकरण साधने लगे है। वहीं आगरा में मेयर सीट के आरक्षण जारी होने के बाद जिले में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

दरअसल आगरा में महापौर की सीट अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित हुई है। यहां 1989 से 2017 तक 6 बार कमल खिल चुका है, लेकिन बीएसपी ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी है। आगरा को दलितों की राजधानी कहा जाता है, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के दौर से ही आगरा में छह सीटों पर दलित विधायक हुआ करते थे। वर्ष 2006 और 2012 में भी बीएसपी के छह विधायक रहे, लेकिन 2017 के चुनाव में बीजेपी ने सूपड़ा साफ कर दिया था

एससी वोटर तीन के लाख पार

यहां मतदाताओं की संख्या करीब 13 लाख 57 हजार है। इसमें ज्यादातर वोटर दलित हैं। अगर जाटव जाति के मतदाताओं की संख्या पर गौर करें, तो करीब 3 से 3.5 लाख हैं। इसके अलावा मुस्लिम समाज के भी करीब एक से डेढ़ लाख वोटर हैं। इसके अलावा वैश्य, ब्राह्मण और अन्य जातियां शामिल हैं। शहरी क्षेत्र में बीजेपी की स्थिति मजबूत है, लेकिन ग्राम पंचायतों के नगर निगम में शामिल हो जाने से विपक्षी दलों को वोट बैंक मजबूत हुआ है।

नगर निकाय : शनिवार तक जारी हो सकती है बसपा की पहली सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव को लेकर अब सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ मंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर निकाय चुनाव के लिए पार्षद उम्मीदवारों की घोषणा करने के निर्देश दे दिए हैं। उन्होंने कहा, जहां भी मजबूत उम्मीदवार मिल रहा है उनके नामों की घोषणा इसी हफ्ते करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाए। इसके साथ ही मेयर और अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के नामों पर भी चर्चा की। इसके साथ ही लखनऊ मंडल प्रभारी बदल दिए हैं। पहले लखनऊ मंडल का काम भीमराव अंबेडकर, गंगा राम गौतम और अखिलेश अंबेडकर देख रहे थे, अब भीमराव अंबेडकर, विजय प्रताप, अशोक गौतम व मौजी लाल गौतम काम देखेंगे। बसपा सुप्रीमो ने पार्टी मुख्यालय पर लखनऊ मंडल की बैठक के दौरान निर्देश दिया कि निकाय चुनाव मजबूती के साथ लड़ने की तैयारियां की जाएं। पार्टी के जो भी पुराने कार्यकर्ता निकाय चुनाव लड़ना चाहते हैं उनके नामों का पैनल तैयार किया जाए।

एमसीडी में फ्लॉप रहा मायावती-नीतीश का दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली एमसीडी चुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत चर्चा का विषय बनी हुई है। लेकिन यहां बिहार की सत्ता पर काबिज नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यू) व मायावती की बसपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली एमसीडी के चुनाव परिणामों से नीतीश कुमार को बड़ा झटका लगा है। जेडीयू ने दिल्ली एमसीडी में 250 वार्डों में कुल 23 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। इन 23 उम्मीदवारों में कोई जीतना तो दूर कहीं मुकाबले में टक्कर में भी नहीं नजर आए। एमसीडी चुनाव के ये नतीजे नीतिश कुमार की देश में आगे बढ़ने की सोच के लिए करारा झटका है।

जेडीयू ने उन्हीं क्षेत्रों में अपने 23 उम्मीदवार उतारे थे, जहां पर बिहार के रहने वालों की संख्या ज्यादा है। ऐसे में नीतीश कुमार को ये उम्मीद थी कि इन 23 में से कुछ उम्मीदवार तो जीत हासिल कर पाएंगे, मगर अफसोस ऐसा भी न हो सका। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नजर राष्ट्रीय राजनीति पर है। 2024 लोकसभा चुनाव में वो विपक्षी दलों को एकजुट करने में जुटे हैं।

प्रशासन ने गिरा दी सपा नेता के मदरसे की बाउंड्रीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। प्रदेश में योगी सरकार का बुलडोजर लगातार चल रहा है। इस बीच राजधानी लखनऊ से सटे बाराबंकी में जिले में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष के मदरसे पर योगी का बुलडोजर चला है। अवैध अतिक्रमण के तहत तहसील नवाबगंज एसडीएम ने कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध रूप से निर्माणाधीन बाउंड्रीवाल को बुलडोजर से ढहा दिया। हालांकि, प्रशासन द्वारा की गई इस कार्रवाई को खुद सपा जिलाध्यक्ष ने सही ठहराया है।

बाराबंकी जिले की सदर तहसील नवाबगंज में ग्राम सभा की खलिहान, तालाब, खेल के मैदान और सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से काबिज भूमाफिया के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई जारी है। जिसके तहत मसौली थाना क्षेत्र के रसौली

कस्बे में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज के मदरसा जामिया मदीनतुल उलूम की बाउंड्रीवाल को प्रशासन ने ढहा दिया। सदर तहसील एसडीएम विजय कुमार त्रिवेदी के अनुसार, सरकारी जमीन पर काबिज मदरसे के प्रबंधक (सपा नेता) हाफिज अयाज को नोटिस भेजी गई थी, लेकिन उनके द्वारा कब्जा नहीं हटाया गया था। राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने रसौली कस्बे के कब्रिस्तान में दर्ज गाटा संख्या64 में निर्माणाधीन मदरसे की बाउंड्री पर बुलडोजर चला कर अवैध निर्माण हटाया गया है।

फोटो : 4 पीएम

ज्ञापन मोरना शुगर मिल के विस्तारीकरण व गन्ना मूल्य को घोषित करने तथा किसानों की अन्य मांगों को लेकर गन्ना मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण को ज्ञापन देते रालोद विधायक अशरफ अली खान, चंदन चौहान, प्रसन्न चौधरी व अन्य।

दुनिया के लिए एक मॉडल है उत्तर प्रदेश : मिलिंडा गेट्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ लगातार उत्तर प्रदेश मॉडल को देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी क्रम में बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-संस्थापक मिलिंडा गेट्स एवं बिल गेट्स की पत्नी ने उत्तर प्रदेश के आगमन के बाद सीएम योगी से शिष्टाचार भेंट की। विशेष मुलाकात में मिलिंडा गेट्स ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ स्वास्थ्य, पोषण और कृषि के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग को और बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।

मिलिंडा गेट्स ने कहा कि हाल के वर्षों में कोविड प्रबंधन और इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी पर नियंत्रण के लिए यूपी ने जैसा काम किया है, वह एक अनुकरणीय मॉडल है। इतनी बड़ी और सघन आबादी के बीच वैक्सीनेशन का जैसा काम हुआ, उससे दुनिया को सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा, वित्तीय समावेशन, पोषण, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण आदि क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश की कोशिशें प्रेरणा देने वाली हैं। उत्तर प्रदेश न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए मॉडल है। आने वाले समय मे हम यूपी के साथ अपने संबंधों को और बेहतर करने की मंशा रखते हैं।

एमसीडी चुनाव : आम आदमी की 'झाड़ू' के आगे मुरझा गया भाजपा का 'कमल'

» पिछले तीन चुनाव से था भाजपा का राज

» आप को 85 सीटों का फायदा, भाजपा को 77 का नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के नगर निगम यानी कि एमसीडी के चुनाव में दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी आम आदमी पार्टी (आप) ने ऐतिहासिक जीत हासिल कर पिछले 15 सालों से जीत रही भाजपा के कब्जे से छीन लिया। आप को 250 वार्डों वाली सबसे बड़ी एमसीडी में पूर्ण बहुमत के साथ 134 सीटें मिलीं, जबकि 15 सालों तक राज करने वाली भाजपा 104 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई। ये एमसीडी चुनाव आप और भाजपा दोनों के लिए ही प्रतिष्ठा की लड़ाई थी।

इस बार भाजपा ने इन चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। भाजपा ने आम आदमी पार्टी को रोकने के लिए अपने सारे अस्त्र आजमा लिए, मगर दिल्ली की जनता के आगे भाजपा का 'कमल' नहीं खिल सका। आम आदमी पार्टी ने अपनी ऐसी झाड़ू चलाई की भाजपा की सारी रणनीति और सारी तरकीबें धरी की धरी रह गईं। भाजपा ने यहां अपने कई मुख्यमंत्रियों समेत कई दर्जन मंत्रियों की पूरी ताकत झोंक दी। भाजपा ने एमसीडी के चुनाव में अपनी

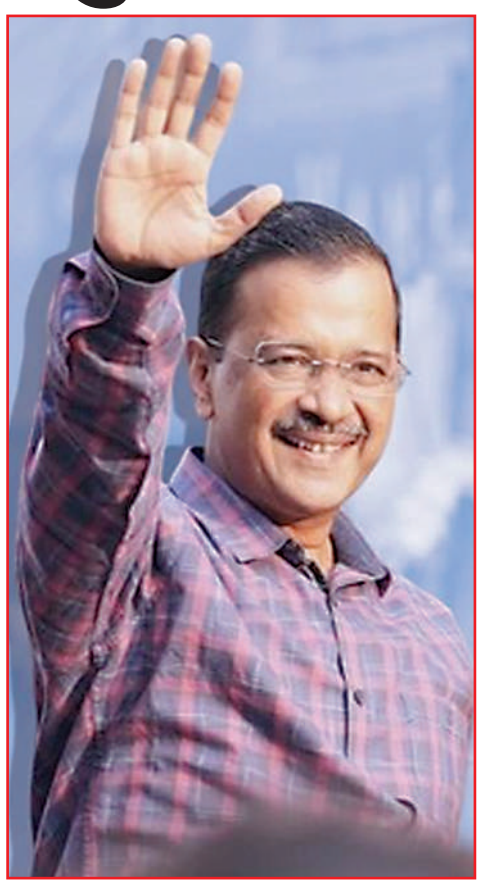

साख बचाने के लिए हर हथकंडा अपनाया फिर चाहे वो चुनावों में देरी हो या डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को शराब घोटाले में घेरना, मगर इन लाख प्रयासों के बाद भी भाजपा अपना मनचाहा परिणाम नहीं पा सकी।

भाजपा के प्रचार का हर दांव नाकाम

दिल्ली एमसीडी पर 15 साल से मौजूद अपनी गद्दी को बचाने के लिए भाजपा ने किसी विधानसभा चुनाव की तरह प्रचार किया। पार्टी ने अपने कई मुख्यमंत्रियों व मंत्रियों की फौज उतार दी। बीजेपी में प्रचार की कमान दिल्ली के सभी सातों सांसद, पूर्व मेयर और दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष आदेश कुमार गुप्ता संभाल रहे थे। इनके अलावा बीजेपी ने अपने कई मुख्यमंत्रियों को भी गली-गली प्रचार के लिए उतार दिया। इनमें उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, असम, हरियाणा, हिमाचल के मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री शामिल रहे।

ध्रुवीकरण का प्रयास

एमसीडी चुनाव में बीजेपी ने ध्रुवीकरण करने की भी जमकर कोशिश की। बीजेपी ने मस्जिदों के इमामों और मुअज्जिनों को मिलने वाली सैलरी को बड़ा मुद्दा बनाया। बीजेपी ने केजरीवाल सरकार को घेरते हुए कहा कि इमामों की तरह ही मंदिरों के पुजारियों को भी सैलरी दी जाए। भाजपा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार हिंदुओं के साथ भेदभाव करती है। इतना ही नहीं बीजेपी ने ताहिर हुसैन के बहाने आम आदमी पार्टी को घेरा, लेकिन यह दांव भी काम नहीं आ सका।

शराब घोटाले पर एक्शन

एमसीडी चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले ही दिल्ली का शराब घोटाला चर्चा में आ गया। बीजेपी ने आप पर जगह-जगह शराब के ठेके खोलने का आरोप लगाया। एक्साइज डिपार्टमेंट मनीष सिसोदिया के पास होने के कारण उन्हें भी लपेटे में लिया गया। भाजपा को लगा कि इस मामले में सरकार और मनीष सिसोदिया की छवि खराब होगी, जिसका उसे एमसीडी चुनाव में फायदा मिलेगा। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा इसी दौरान ही जेल में बंद सत्येंद्र जैन के वीडियोज भी जारी होते रहे। इन वीडियोज को जारी कर भाजपा ने आप को घेरने का प्रयास किया। हालांकि, इन वीडियोज को आम आदमी पार्टी ने फर्जी बताया था।

गुजरात-हिमाचल के साथ चुनाव

भाजपा ने एमसीडी चुनाव की तारीखों में एक खेल ये भी खेला कि एमसीडी चुनाव की तारीखों का ऐलान तब हुआ जब देश में गुजरात और हिमाचल जैसे राज्यों में विधानसभा का चुनाव भी चल रहा था। इन दोनों ही राज्यों में आम आदमी पार्टी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरी थी। ऐसे में ये लाजिमी था कि आप मुखिया अरविंद केजरीवाल गुजरात-हिमाचल के बीच एमसीडी चुनाव में ध्यान नहीं दे पाएंगे। आप ने इसके लिए भाजपा को घेरा भी। सीएम केजरीवाल का कहना था कि बीजेपी जानबूझकर दिल्ली एमसीडी और गुजरात चुनाव करा रही है, ताकि आम आदमी पार्टी का संसाधन और समय बंट जाए। उन्होंने कहा था कि बीजेपी ने उन्हें घेरने के लिए जो चक्रव्यूह रचा है, उसमें वो नहीं फंसेंगे। हुआ भी ये ही, आप ने भाजपा को करारी शिकस्त दी।

तीनों एमसीडी का एकीकरण

दिल्ली में शीला दीक्षित के शासन काल में कांग्रेस ने एमसीडी चुनाव जीतने के लिए साल 2012 में नगर निगम के तीन हिस्सों में बांट दिया था। तब तीनों जगह बीजेपी का कब्जा हो गया था। इसी साल केंद्र की मोदी सरकार ने तीनों एमसीडी को फिर से एक कर दिया। एकीकरण से वार्डों की संख्या भी 272 से घटकर 250 पर आ गई। बीजेपी ने तीनों एमसीडी को मिलाकर आम आदमी पार्टी को रोकने की रणनीति बनाई थी। भाजपा को लगा था कि एक बार फिर जब वो एमसीडी पर अपना कब्जा जमा लेगी, तो पूरे दिल्ली के मेयर को प्रदेश के मुख्यमंत्री के इतनी ताकत होगी। ऐसे में भाजपा मुख्यमंत्री केजरीवाल को कमजोर कर सकती थी। हालांकि, भाजपा का ये दांव भी नहीं चल सका।

यमुना एक्सप्रेस-वे : दो माह रफ्तार पर लगेगा ब्रेक

15 दिसबंर से 60-80 किमी की गति से ही चल सकेंगे वाहन

» सर्दियों में बढ़ जाती है सड़क हादसे की आशंका

» दुर्घटनाएं रोकने को प्राधिकरण ने वाहनों की स्पीड कम करने का फैसला लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सर्दियों में हाईवे और एक्सप्रेसवे पर हादसों की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। तेज कोहरे की वजह से विजिबिलिटी कम हो जाती है, जिस से तेज रफ्तार से जा रही गाड़ियां आपस में टकरा जाती हैं जो कि एक बड़े हादसे को अंजाम देती हैं। ऐसे में कई हादसों का भुक्तभोगी बन चुका यमुना एक्सप्रेसवे को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। यमुना एक्सप्रेसवे पर भी सर्दियों में हादसे की आशंका काफी बढ़ जाती है। ऐसे में कोहरे की वजह से होने वाले इन हादसों को रोकने के लिए प्राधिकरण द्वारा वाहनों की अधिकतम स्पीड को कम करने का फैसला लिया गया है। जिसके चलते अब यमुना एक्सप्रेसवे पर 15 दिसंबर से वाहनों की स्पीड लिमिट कर दी जाएगी।

आगामी 15 दिसंबर से यमुना एक्सप्रेसवे पर अब हल्के वाहनों की स्पीड 100 किमी प्रति घंटा से कम करके 80 किमी प्रति घंटा की अधिकतम रफ्तार से ही वाहन दौड़ा सकेंगे। वहीं भारी

हादसों का 'वे' बन गया था यमुना एक्सप्रेस-वे

आईआईटी दिल्ली के सुझावों के बाद जरूर यमुना एक्सप्रेसवे हादसों की संख्या में कमी दिखी है, मगर इससे पहले यमुना एक्सप्रेसवे आए दिन कोई न कोई बड़ा हादसा होता रहता था। जिसके चलते यमुना प्राधिकरण को सवालों के घेरे में भी खड़ा किया था।

वाहन अधिकतम 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से ही इस एक्सप्रेसवे पर चल सकेंगे। यह प्रतिबंध 15 दिसंबर से लेकर 15 फरवरी तक लागू रहेगा। दरअसल, यमुना एक्सप्रेसवे पर सर्दियों में हादसों का आंकड़ा बढ़ जाता है। इस पर लगाम लगाने के लिए यमना प्राधिकरण हर साल सर्दियों में एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार कम कर देता है। प्राधिकरण की ओर से इसके लिए तैयारी कर ली गई है और जेपी समूह को भी इसका पालन कराने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। एक्सप्रेसवे पर लिमिट से अधिक स्पीड पर अगर कोई वाहन चलाता हुआ पकड़ा गया, तो उसके खिलाफ कड़ा एक्शन भी लिया जाएगा, साथ ही ड्राइवर्स के चालान भी काटे जाएंगे। इस बाबत जानकारी देते हुए यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसों को रोकने के लिए हर साल रफ्तार कम कर दी जाती है। इस बार भी 10 दिसंबर से रफ्तार कम कर दी जाएगी। इसके अलावा जेपी से एक्सप्रेसवे पर जल्द ही कुछ टोल बूथ को शुरू कराने के निर्देश दिए हैं।

हादसों में आई 50 फीसदी की कमी

करोड़ों की लागत से बने इस यमुना एक्सप्रेसवे पर शुरू में आए दिन किसी भीषड़ हादसे की खबरें आती रहती थीं। इसके बाद लगातार हो रहे हादसों पर अंकुश लगाने के लिए और सफर को सुरक्षित बनाने के लिए आईआईटी दिल्ली की टीम द्वारा सर्वे किया गया था। इसके कुछ कामों को कराने के लिए रिपोर्ट भी सौंपी गई थी। यमुना प्राधिकरण के निर्देश पर जेपी की ओर से एक्सप्रेसवे पर काम कराए गए हैं और उनका फर्क साफ दिखने लगा है। इसका असर अब काफी हद दिखने भी लगा है, जिसके चलते अब यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसों की संख्या घटकर 50 फीसदी हो गई है।

आईआईटी दिल्ली ने दिया था सुझाव

यमुना एक्सप्रेसवे पर लगातार बढ़ते हादसों के बाद आईआईटी दिल्ली के द्वारा हादसों की वजह जानने के लिए ऑडिट कराया गया था। जिसके बाद आईआईटी दिल्ली ने रोड सेफ्टी ऑडिट सुझाव के तहत एक्सप्रेसवे पर दोनों तरफ स्टील की ग्रिल लगाकर डिवाइडर बनाने, सभी अंडरपासों पर क्रश बीम लगाने, मोड़ों पर रिफ्लेक्टर लगाने के अलावा स्ट्रिप ब्रेकर सहित रोड सेफ्टी ऑडिट के तहत कुल 22 कार्य कराने का सुझाव दिया था। जिसको कंशैसनायर द्वारा 130.54 करोड़ की लागत से पूरा करा दिया गया था। हालांकि, उसके बाद भी कुछ समय तक हादसे होते रहे। हालांकि, अब इस हादसों की इस संख्या में कुछ कमी आई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

'आप' को एमसीडी की सत्ता

आम आदमी पार्टी (आप) ने 15 बरसों से एमसीडी (म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन दिल्ली) पर काबिज भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया है। एमसीडी के चुनाव को देश की राजनीति की नब्ज इसलिए माना जाता है क्योंकि दिल्ली में देश के विभिन्न राज्यों के लोग रहते हैं। हालांकि आठ वर्षों से दिल्ली राज्य में आप की सरकार है, लेकिन एमसीडी में उसका दखल नहीं था। 2017 में एमसीडी में आप की सीटें तो आईं, लेकिन वह मेयर अपना नहीं बनवा पाई। इसी मुद्दे पर आप ने भाजपा के खिलाफ जबरदस्त घेराबंदी की। भाजपा के 15 सालों की नाकामी को जनता के बीच दो नेरेटिव बनाया। दिल्ली के गाजीपुर, भलस्वा और ओखला के तीन कूड़े के पहाड़ों को लेकर जिस तरह से सियासत गर्म हुई, उसके लिए आप ने भाजपा को जनता के बीच घेर लिया। कूड़े के ढेर, गलियों में घूमते आवारा पशु, साफ-सफाई और प्रदूषण के मुद्दे को लेकर केजरीवाल ने भाजपा के खिलाफ माहौल बनाया। एमसीडी कर्मचारियों के वेतन भुगतान से जुड़े मुद्दे भी एमसीडी चुनाव में अपना काम कर गए।

भाजपा ने ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल किया और केजरीवाल सरकार को कथित शराब घोटाले और दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी से भ्रष्ट साबित करने की कोशिश की। यह पहला मौका है जब पूरी दिल्ली में एक एमसीडी है और एक ही मेयर होगा। दरअसल, दिल्ली विधान सभा के चुनाव में लगातार हार का सामना करने के बावजूद एमसीडी चुनाव में भाजपा एक तरह से अपराजेय थी। अपनी लोकप्रियता के चरम पर पहुंचने के बावजूद न तो कांग्रेस की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित भाजपा को हरा पाई और न ही अरविंद केजरीवाल हरा पाए। साल 2007 से ही एमसीडी में भाजपा की मजबूत पकड़ बनी। एमसीडी में भाजपा को कमजोर करने के लिए 2011 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने दिल्ली नगर निगम को तीन हिस्सों-उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में बांट दिया, लेकिन इसके बावजूद 2012 में इन तीनों नगर निगमों में भाजपा फिर से सत्ता में आ गई। 2017 में अरविंद केजरीवाल अपनी लोकप्रियता के चरम पर थे लेकिन इसके बावजूद तीनों नगर निगम चुनाव में लगातर तीसरी बार सत्ता हासिल कर भाजपा ने यह साबित कर दिया कि नगर निगम चुनाव में उसे हरा पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन 2022 में भाजपा केजरीवाल को भांपने में यह जानते हुए भी चूक कर गई कि 2024 के लोकसभा चुनाव पर इसका असर पड़ेगा। दिल्ली की सभी सातों लोक सभा सीटों पर भाजपा का कब्जा है। यह कहना गलत नहीं कि आप के लिए एमसीडी चुनाव के नतीजे 2024 में बूस्टर का काम करेंगे और राष्ट्रीय राजनीति में केजरीवाल का कद बढ़ाएंगे।

भाजपा ने ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल किया और केजरीवाल सरकार को कथित शराब घोटाले और दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी से भ्रष्ट साबित करने की कोशिश की। यह पहला मौका है जब पूरी दिल्ली में एक एमसीडी है और एक ही मेयर होगा। दरअसल, दिल्ली विधान सभा के चुनाव में लगातार हार का सामना करने के बावजूद एमसीडी चुनाव में भाजपा एक तरह से अपराजेय थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पुराने संसद भवन में अंतिम शीत सत्र

आर राजागोपालन

सात दिसंबर से शुरू हो रहा संसद का शीत सत्र वर्तमान भवन में अंतिम सत्र होगा। अगले वर्ष जनवरी में प्रारंभ होने वाले बजट सत्र से संसद की बैठकें नये संसद भवन में होंगी। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में प्रवेश करेंगे, तो 303 सांसद मोदी-मोदी का नारा बुलंद करेंगे। शीत सत्र 29 दिसंबर तक चलेगा और इसमें कुल 17 कार्यदिवस होंगे। यह पहला अवसर है, जब शीत सत्र की अवधि को घटाया गया है। यह सत्र इसलिए भी ऐतिहासिक होगा कि सांसद अपने मोबाइल फोन से उपस्थिति पंजिका पर ई-सिग्नेचर कर सकेंगे।

लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला ने 95 प्रतिशत सफलता के साथ लोकसभा को कागज रहित बना दिया है। सत्रहवीं लोकसभा का यह 10वां सत्र है। यह पहला शीत सत्र होगा, जब विदेश मंत्री एस जयशंकर 18 देशों की अपनी यात्रा के बारे में बयान देंगे। यह सत्र इसलिए भी विशेष होगा कि प्रधानमंत्री मोदी एक और शानदार उपलब्धि के साथ सत्र में शामिल होंगे कि भारत जी-20 समूह का अध्यक्ष बना है तथा जुलाई में शंघाई सहयोग संगठन की भी अध्यक्षता संभालेगा। यह सब भारत के विश्व शक्ति बनने के संकेतक हैं। भाजपा के शब्दों में कहें, तो भारत विश्व गुरु होगा। यह पहला सत्र होगा, जब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ राज्यसभा के सभापति के रूप में सदन का संचालन करेंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि तृणमूल कांग्रेस के सांसद उनके साथ कैसा बर्ताव करेंगे। राजनीतिक पर्यवेक्षक जानते हैं कि जब वे राज्यपाल थे, तब उनके और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच रिश्ते अच्छे नहीं थे। इस सत्र में कांग्रेस नेता राहुल गांधी अनुपस्थित रहेंगे। यह देखना होगा कि तृणमूल, द्रमुक, टीआरएस, जद(यू) जैसी क्षेत्रीय पार्टियों का क्या रवैया होगा। चिराग पासवान पर भी निगाहें रहेंगी। द्रमुक राज्यपालों की अनावश्यक शक्तियों का मुद्दा उठाने के लिए तैयार है। अभी तीन राज्यपाल अपने मुख्यमंत्रियों के साथ समुचित बर्ताव नहीं कर रहे हैं, तो तीन क्षेत्रीय दल राज्यपालों को कारण बताओ नोटिस देने के लिए तैयार हैं। तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल के राज्यपाल रोजमर्रा के प्रशासनिक कामों में दखल दे रहे हैं।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान कुलपतियों की नियुक्ति जैसी अपनी शक्तियों का बेजा फायदा उठा रहे हैं। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि नीट और ऑनलाइन खेलों से जुड़े अनेक विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं। द्रमुक का आरोप है कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। तेलंगाना के राज्यपाल डॉ. टी सुंदरराजन मुख्यमंत्री के

चंद्रशेखर राव की खीझ का कारण बनी हुई हैं। वे द्रमुक सरकार पर भी टिप्पणी करती रहती हैं। विपक्ष इस सत्र में राज्यपालों की शक्तियों पर चर्चा की मांग करने के लिए तैयार है। यह तो निश्चित है कि दोनों सदनों में हंगामा होगा। कांग्रेस के नेता भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त हैं। यह आधिकारिक रूप से कह दिया गया है कि राहुल गांधी इस सत्र में नहीं शामिल होंगे। लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। वे राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। विपक्ष मोरबी पुल हादसे के मुद्दे को भी उठायेगा। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने ट्वीट कर बताया है कि इस अमृत काल में उन्हें विधायी कार्यों और अन्य मुद्दों पर रचनात्मक चर्चा की आशा है। क्या सुचारु ढंग से सदन चलाने में विपक्ष सरकार का साथ देगा? कुछ ऐसे महत्वपूर्ण विधेयक हैं, जिन्हें सरकार पारित कराना चाहेगी। इस शीत सत्र के दौरान मोदी सरकार लगभग 16 नये विधेयकों को सदन के पटल पर रख सकती है। प्रस्तुति, विचार तथा पारित करने के लिए प्रस्तावित विधेयकों में ट्रेड मार्क (संशोधन) विधेयक तथा दंत चिकित्सा विधेयक भी शामिल हैं। ट्रेड मार्क विधेयक में मैड्रिड पंजीकरण सिस्टम के आयामों को सम्मिलित करने, कारण बताओ नोटिस जारी करने और सुनवाई प्रक्रिया तथा ट्रेड मार्क कार्यालय द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संचार व्यवस्था अपनाने से संबंधित प्रावधान हैं।

दंत चिकित्सा विधेयक पारित होने के बाद दंत चिकित्सक कानून, 1948 का स्थान लेगा तथा इसके प्रावधान के तहत एक राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग का गठन किया जायेगा। जो विधेयक पहले ही पेश किये जा चुके हैं, उन पर चर्चा होगी तथा उन्हें पारित कराने का प्रयास होगा। इसमें सामुद्रिक पाइरेसी निरोधक विधेयक, 2019 तथा नयी दिल्ली अंतरराष्ट्रीय आर्बिट्रेशन सेंटर (संशोधन) विधेयक, 2022 भी शामिल हैं। संसद के दोनों सदनों में उन पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि दी जायेगी, जिनकी मृत्यु पिछले सत्र के बाद हो गयी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की मृत्यु अक्टूबर के महीने में हो गयी। यदि मैनपुरी उपचुनाव में डिंपल यादव मामूली अंतर से जीतती हैं, तो 2024 में मोदी-योगी का डबल इंजन समाजवादी पार्टी को परास्त कर देगा। इस सत्र में यह आख्यान भी जोर पकड़ेगा कि विपक्ष बहुत कमजोर है। इससे अगले लोकसभा चुनाव में जीत को लेकर चिंतित भाजपा खेमे को राहत मिलेगी।

स्पेस सेक्टर में बड़ा व्यावसायिक अवसर

प्रीतम बनर्जी

पिछले महीने निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित भारत का पहला अंतरिक्ष यान विक्रम-एस का प्रक्षेपण अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक घटना है। अन्य कुछ स्टार्टअप कंपनियां भी इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए तैयार हैं। ये कंपनियां प्रक्षेपण वाहन यानी रॉकेट से लेकर उपग्रहों तक के निर्माण में संलग्न हैं। उल्लेखनीय है कि 2021 में निजी क्षेत्र को स्पेस सेक्टर में आने की मंजूरी दी गयी थी। इस नीति का उद्देश्य यह है कि स्टार्टअप भी शोध एवं अनुसंधान में योगदान दे सके तथा संबंधित अर्थव्यवस्था को गति मिले। इस नीति के परिणाम अब हमारे सामने आने लगे हैं। आज से चालीस साल पहले हमारी सरकारी अंतरिक्ष संस्था इसरो के लिए ही इस तरह की उपलब्धियां हासिल करना मुश्किल था, पर आज छोटी-छोटी कंपनियां भी प्रक्षेपण और उपग्रह निर्माण करने लगी हैं।

हमारे देश की अंतरिक्ष यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण चरण है। इसका दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह प्रगति देश के लिए बहुत बड़ा व्यावसायिक अवसर भी है। स्पेस सेक्टर में बहुत तरह के काम और एप्लिकेशन हैं। उम्मीद है कि निजी क्षेत्र नये-नये अन्वेषण से इस क्षेत्र को समृद्ध करेंगे। हम अमेरिका में देख रहे हैं कि स्पेस एक्स और ब्लू ओरिजिन जैसी निजी कंपनियां तेजी से बढ़ोतरी कर रही हैं। ये कंपनियां अलग-अलग एप्लिकेशनों पर काम कर रही है। यह समझना जरूरी है कि निजी कंपनियां केवल इसलिए इस क्षेत्र में नहीं आ रही है कि उन्हें अंतरिक्ष अनुसंधान करना है या इंजीनियरिंग से संबंधित आयामों को विकसित करना है, वे इसलिए भी आ रही हैं कि आगे के लिए स्पेस सेक्टर में बहुत सारे अवसर पैदा होंगे। इसे इसी नजरिये से देखना चाहिए कि निजी उद्यम और निवेशक कई कारोबारी संभावनाओं को देख रहे हैं। यह उत्साहजनक बात है कि हमारे यहां इंजीनियरिंग प्रतिभाओं की कमी नहीं है और उन्हें जब सही मौका मिलेगा, तो वे अच्छा काम कर सकते हैं। विक्रम-एस के सफल प्रक्षेपण से यह साबित भी हुआ है तथा इससे बड़ा प्रोत्साहन भी मिलेगा। इसरो पहले से ही कई देशों के उपग्रहों को अपने रॉकेटों के माध्यम से अंतरिक्ष में भेजता रहा है। बहुत सारे देशों के पास प्रक्षेपण की सुविधा या क्षमता नहीं है। निजी क्षेत्र के आने से इस व्यावसायिक क्षेत्र का भी विस्तार होगा।

आज जो स्पेस एप्लिकेशन हैं, चाहे वह संचार से संबंधित हो, सैटेलाइट इमेजरी हो, मौसम से संबंधित सूचनाएं हों, कृषि क्षेत्र में उपयोगिता हो, लॉजिस्टिक के लिए हो, उनका बहुत इस्तेमाल किया जा रहा है। विकासशील देशों में एक समय तक इन उपयोगिताओं का व्यावसायिक महत्व नहीं था, लेकिन आज जैसे-जैसे उन देशों की आमदनी में बढ़ोतरी हो रही है और जरूरतों में वृद्धि हो रही है, बाजार में मांग बढ़ रही है, तो उन्हें इन एप्लिकेशनों की जरूरत भी पड़ रही है। उदाहरण के लिए, बांग्लादेश को देखें। आज से दो दशक पहले उसकी आर्थिक क्षमता ऐसी नहीं थी कि वह ऐसे एप्लिकेशन की मांग करे। पर आज वह ऐसी सुविधाओं को खरीद रहा है। ऐसे देशों में अपने रॉकेट छोड़ने, सैटेलाइट भेजने या एप्लिकेशन विकसित करने की क्षमता नहीं है। ऐसे में वे उन देशों के पास जायेंगे, जहां अच्छे और सस्ते में उनकी जरूरतें पूरी हो सकें। अफ्रीका, एशिया और लातिनी अमेरिका में ऐसे बहुत सारे देश हैं।

तो एक तो यह बात है कि स्पेस सेक्टर में आने वाली मांग नयी मांग है, जो पहले मुख्य रूप से विकसित देशों या बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से आती थीं। यह बाजार बहुत विस्तृत हो चुका है और लंबे समय तक यह विस्तार जारी भी रहेगा। दूसरी बात यह है कि जो विकासशील देश हैं, उनके लिए खर्च बहुत बड़ा कारक है। भारत की कंपनियां और सर्विस प्रोवाइडर पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम दाम में इन देशों को तकनीकी और एप्लिकेशन मुहैया कराने की क्षमता रखते हैं। इस लिहाज से भी स्टार्टअप का स्पेस के क्षेत्र में आना हमारे लिए बड़ा अवसर है। स्पेस नवोन्मेष का क्षेत्र है। स्पेस तकनीक के कई एप्लिकेशन का पता हमें पहले से है, जैसे- मौसम का पूर्वानुमान लगाना, किसानों को जानकारी मुहैया कराना, भूमि और मिट्टी का आकलन, खनन क्षेत्र में, लॉजिस्टिक में इस्तेमाल, संचार आदि। अब यह बात आ रही है कि सैटेलाइट के माध्यम से हम पूरे यातायात नेटवर्क को जोड़ सकते हैं। जीपीएस तकनीक का उपयोग आम बात हो गयी है। अब जो आगे नवोन्मेष होंगे, वे बहुत से एप्लिकेशन लायेंगे, जिनमें कई ऐसे हो सकते हैं, जिनका अभी हमें अनुमान तक नहीं है। यह भी ध्यान में रहे कि हाल तक जो सैटेलाइट से सेवाएं मिलती थीं, उनका इस्तेमाल मुख्य रूप से सरकारी संस्थाओं या बड़े कॉरपोरेट द्वारा होता था। जैसे कि मौसम के पूर्वानुमान से संबंधित सूचनाएं मौसम विभाग लेता था। अब सबके हाथ में स्मार्ट फोन हैं और एप बने हुए हैं।

ऐसे में स्पेस तकनीक और सेवाओं का उपभोक्ता साधारण नागरिक भी हो सकता है। कोई छोटा किसान भी बीस रुपये मासिक भुगतान कर एप के जरिये सूचना हासिल कर सकता है। रियल टाइम में हमें जरूरी जानकारियां मिल सकती हैं। छोटे ट्रांसपोर्टर भी अपने ट्रकों की स्थिति देख पायेंगे। इस तरह अभी तक जो तकनीक विशिष्ट थी, अब आम जन की पहुंच में होगी। इसे तकनीक का लोकतंत्रीकरण कहा जा सकता है। समुचित नियमन के साथ इस क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने की जो आवश्यकता थी, उसे सरकार ने पूरा कर दिया है। सरकार के स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से इस क्षेत्र का समर्थन किया जाना चाहिए। स्पेस तकनीक का जो इकोसिस्टम हमारे देश में बना हुआ है, चाहे टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर हो, बड़ी प्रयोगशालाएं हों, विशेषज्ञता हो, पांच-छह दशक का जो सरकारी संस्थाओं का अनुभव है, यह सब तकनीक और विशेषज्ञता अगर निजी क्षेत्र को भी उपलब्ध हों, विकास में बहुत तेजी आ सकती है।

मंहगा पड़ सकता है सर्दियों में आइसक्रीम का सेवन

वीक इम्यूनिटी वाले लोगों और बच्चों के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकती है आइसक्रीम

सर्दियों के मौसम में शादी-विवाह और अन्य समारोह में अक्सर आपने लोगों को आइसक्रीम खाते हुए देखा होगा। इस मौसम में भी बड़ी संख्या में लोगों को आइसक्रीम खाना पसंद होता है। सर्दियों में आइसक्रीम खाने का अपना एक अलग मजा है और बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक आइसक्रीम का खूब लुत्फ उठाते हैं। हालांकि सर्दियों में आइसक्रीम की दीवानगी सेहत पर भारी पड़ सकती है। जी हां, सुनकर हैरान हो रहे होंगे, लेकिन यह बात बिल्कुल सही है। इस मौसम में आइसक्रीम खाने से आप कई परेशानियों का शिकार हो सकते हैं। आज डाइटिशियन से जानेंगे कि आइसक्रीम खाने से लोगों को कौन-कौन सी दिक्कतें हो सकती हैं।

हो सकती हैं ये परेशानियां

सर्दियों में आइसक्रीम कम से कम खानी चाहिए। इस मौसम में ज्यादा आइसक्रीम खाने से लोगों को सर्दी-जुकाम और खांसी की समस्या हो सकती है। जो लोग साइनस या गले की प्रॉब्लम से जूझ रहे हैं, उन्हें आइसक्रीम बिल्कुल नहीं खानी चाहिए। यह समस्याएं आइसक्रीम से ट्रिगर हो सकती हैं। वीक इम्यूनिटी वाले लोगों और बच्चों के लिए आइसक्रीम सबसे ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकती है। ऐसे लोग सर्दी की चपेट में बहुत जल्दी आते हैं। इन्हें विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इसके अलावा डायबिटीज के मरीजों को भी आइसक्रीम नहीं खानी चाहिए, वरना शुगर लेवल बढ़ सकता है।

कैसे पहुंचा सकती है नुकसान?

सर्दियों में हमारे शरीर का मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है और लोगों की फिजिकल एक्टिविटी कम हो जाती है। ऐसे में हाई कैलोरी लेने से परेशानी हो सकती है। आइसक्रीम में कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है, जो हमारी हेल्थ के लिए फायदेमंद नहीं मानी जा सकती। आइसक्रीम का ज्यादा सेवन वजन बढ़ा सकता है। अगर आपको कोल्ड से एलर्जी है, तो आइसक्रीम से दूरी बना लेनी चाहिए। रात के समय आइसक्रीम खाना ज्यादा नुकसानदायक होता है। आप दोपहर या शाम के वक्त आइसक्रीम खा सकते हैं। कुछ लोगों की बॉडी इस टाइप की होती है कि उनके लिए आइसक्रीम नुकसानदायक साबित नहीं होती, जबकि कुछ लोगों के लिए यह खतरनाक हो सकती है।

आइसक्रीम से सर्दी हो जाए तो क्या करें

डाइटिशियन के अनुसार अगर आप को आइसक्रीम खाने से सर्दी-जुकाम या खांसी हो जाए, तो घबराने की जरूरत नहीं है। आप इस समस्या से राहत पाने के लिए गुनगुना पानी और अदरक वाली चाय पीएं। इसके अलावा अपनी डाइट में गर्म चीजों को शामिल करें। आप अपनी इम्यूनिटी को मजबूत करने के लिए आंवला, ऑरेंज और अमरूद जैसी चीजों का सेवन करें। इससे आपकी इम्यूनिटी बेहतर होगी और आपको सीजनल फ्लू समेत कई परेशानियों से राहत मिल जाएगी।

हंसना मना है

कोच अपने छात्र से: मैं बैडमिंटन के बारे में सबकुछ जानता हूं। छात्र: सब कुछ? कोच: हां... विश्वास नहीं हो तो कुछ भी पूछ सकते हो। छात्र: बैडमिंटन नेट में कितने छेद होते हैं? कोच बेहोश।

दो चूहे पेड़ पर बैठे थे... नीचे से एक हाथी गुजरा, एक चूहा हाथी पर गिर गया...तभी दूसरा चूहा बोला, दबा कर रख इसे, मैं भी आता हूं।

गर्लफ्रेंड: क्या आप मेरे लिए शेर को मार के ला सकते हो? बॉयफ्रेंड: नो जी, कुछ और बताओ, मैं तुम्हारे लिए और कुछ भी कर सकता हूं.. गर्लफ्रेंड: क्या मैं तुम्हारा फेसबुक/व्हाट्सऐप चेक कर सकती हूं बॉयफ्रेंड: कहां है वो शेर जिसके बारे में तुम बात कर रहीं थीं?

टिल्लू ने पिल्लू को थप्पड़ मार दिया... पिल्लू: ये तूने मजाक में मारा या सच में मारा? पिल्लू: सच में मारा। टिल्लू तो ठीक है, मुझे मजाक बिल्कुल भी पसंद नहीं है।

भूगोल की खूबसूरत टीचर ने टीटू से पूछा... टीचर: गंगा कहां से निकलती है और कहां मिलती है? टीटू: घर से स्कूल के लिए मेकअप करके निकलती है, और स्कूल के पीछे कालू से मिलती है। टीटू को पड़े जोर के थप्पड़....

खचाखच भरी मुंबई लोकल में एक खूबसूरत महिला सफर कर रही थी। अचानक किसी ने जंजीर खींच दी। पास में खड़े...कानपुरिया लड़के का हाथ छू गया। महिला: आराम से खड़े हो जाओ! लड़का: सॉरी। कुछ देर बाद...किसी ने फिर जंजीर खींच दी। महिला: काय करतो तुमी। कानपुरिया लड़का: खैनी लगा रहे हैं।

कहानी | आम तोड़ना पड़ गया भारी

एक न्यायाधीश अत्यंत सदा जीवन व्यतीत करते थे। वह अपनी पत्नी के साथ एक साधारण मकान में रहते और सीमित साधनों में गुजारा करते थे। अधिक की लालसा उनके मन में नहीं थी। जो अर्जित कर पाते थे, उसमें ही संतुष्ट रहते थे। एक बार उन्हें किसी सरकारी कार्य से सतारा जिले में पाना पड़ा। सतारा में उन्हें अनेक स्थानों पर जाना था। उनके साथ में उनकी पत्नी भी थी। उन्होंने पत्नी से कहा तुम सरकारी रेस्ट हॉउस में जाकर आराम करो में कार्य निपटाकर बाद में आ जाऊंगा। पत्नी ने घोड़ा-गाड़ी ली और गेस्टहाउस की ओर चल दी। घोड़ा-गाड़ी रवाना हुई, तो मार्ग में एक आम का बगीचा दिखाई दिया। रसीले आम देखकर न्यायाधीश की पत्नी के मन में लालच आ गया। उसने घोडा-गाड़ी रुकवाई और चुपके से आम बगीचे में दाखिल हो गई। पत्थर मारकर उसने दो-तीन आम गिराए। दुर्भाग्यवश एक बड़ा आम उनके हाथ पर ही आ गिरा, जिससे उनकी स्वर्णजड़ित चूड़ी टूट गई। टूटा स्वर्ण अंश भी नहीं मिला। उन्हें बहुत पश्चात्ताप हुआ। घर आकर उन्होंने पति को सारी बात बताई। पति ने कहा-पराई वस्तु लेने का यही परिणाम होता है। साथ में मुझे भी तुम्हारे अपराध की थोड़ी सजा मिल गई। मेरी घड़ी कहीं खो गई। न्यायाधीश की पत्नी ने भविष्य में ऐसा फिर नहीं करने का संकल्प लिया। सार यह है कि आप की कौड़ी पुण्य का सोना भी खींच लेती है। **सीख: अच्छे कर्म सद्गति की ओर तथा बुरे कर्म दुर्गति की ओर ले जाते हैं। अत: सदैव अच्छे कर्म करें।**

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज पुत्र की ओर से कोई बड़ी खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। इस समय आप नई गाड़ी या कोई नया उपकरण खरीदने की योजना बना सकते हैं।

वृषभ

परिवार के कुछ सदस्य अपने ईर्ष्यालु स्वभाव से आपके लिए झुंझलाहट की वजह बन सकते हैं। लेकिन अपना आपा खोने की जरूरत नहीं है, नहीं तो हालात बेकाबू हो सकते हैं।

मिथुन

आपको सेहत से जुड़ी परेशानियों के चलते अस्पताल जाना पड़ सकता है, अत: सावधानी अपेक्षित है। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें।

कर्क

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ खास करने के लिए दिन बेहतर है। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप बखूबी निभाएंगे।

सिंह

आज आप भविष्य के लिए कुछ योजनाएं बना सकते हैं। किसी के प्रति आकर्षित होंगे। जितना हो सके गरीब और असहाय लोगों की मदद करेंगे आप तेज गति से अपने जीवन में प्रगति करते हुए आगे बढ़ेंगे।

कन्या

आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। जिस अवसर के लिए कई दिनों से आपको तलाश थी, आज वो पूरी हो जायेगी। आपको किसी करीबी की मदद मिल सकती है।

तुला

मिथुन राशि के विद्यार्थीयों को आज प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल होगी। समाज में मान सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जो बाधाएं कार्य क्षेत्र में आ रही थीं वो दूर होंगी

वृश्चिक

ध्यान से सुकून मिलेगा। अटके हुए मामले में और अड़चनें आएंगी व खर्चे आपके दिमाग पर छा जाएंगे। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

धनु

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपको अपनी मेहनत का पूरा फायदा मिलेगा। किसी योजना से बड़ा लाभ होगा। इस राशि के वर्किंग लोगों को आय के नए स्रोत मिलेंगे।

मकर

आज के दिन जो भावुक मिजाज आप पर छाया हुआ है, उससे निकालने के लिए बीती बातों को दिल से निकाल दीजिए। आपको कमीशन, लाभांश या रॉयल्टी के जरिए फायदा होगा।

कुम्भ

आज किस्मत आपके साथ रहेगी। ऑफिस में सीनियर से बातचीत करने पर सहयोग मिलेगा। पारिवारिक मुद्दों पर फैसले लेने के लिये आज का दिन बेहतर है।

मीन

आपके जीवन में जो बदलाव हो रहा है, उसे आपको स्वीकार करना होगा। आज आपकी मुलाकात कुछ दिलचस्प और बड़ी सोच वाले लोगों के साथ हो सकती हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

सांवली रंगत वालों को नहीं मिलता काम : सबूर अली

खूबसूरती रंग-रूप का नाम नहीं है, बल्कि एक स्टार की पहचान उसके टैलेंट से होती है। लेकिन शायद पाकिस्तानी सिनेमा के लोग ये भूल चुके हैं। एक जानी-मानी एक्ट्रेस सबूर अली ने खुद अपने देश की एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के काले सच से पर्दा उठाया है। पाकिस्तानी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस सबूर अली ने एक टॉक शो में पाकिस्तानी सिनेमा का काला चिट्ठा लोगों के सामने खोलकर रख दिया। एक्ट्रेस ने बताया कि सांवली रंगत वाले स्टार्स को स्क्रीन पर काम करने का ज्यादा चांस नहीं मिलता है। सबूर ने इस बारे में बात करते हुए कहा-मुझे लगता है कि ये सच है, लेकिन समय के साथ चीजें बदल रही हैं। अब लोग इस चीज के खिलाफ स्टैंड लेने लगे हैं, लेकिन ऐसा होता है ये सच है। एक्ट्रेस ने आगे कहा-हमें भी मेकअप से गोरा होने को कहा जाता है। हमें कहा जाता है कि मेकअप का बेस गोरा होना चाहिए, मेकअप गोरा लगना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि अगर प्रीव्यू में हमारी रंगत थोड़ी डार्क दिखती है तो दोबारा से गोरा दिखाकर शॉट लिया जाता है। पाकिस्तानी सिनेमा के बारे में सबूर अली के इस खुलासे ने हर किसी को हैरान कर दिया है। साथ ही वहां के लोगों की सोच पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, कुछ समय पहले सबूर और उनके पति के ब्यूटी ट्रीटमेंट लेते हुए कुछ तस्वीरें वायरल हुई थीं, जिसपर उन्हें ट्रोल भी किया गया था। चैट शो में सबूर से जब ब्यूटी ट्रीटमेंट लेने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा-हमने सिर्फ विटामिन्स के इंजेक्शन्स लिए थे। हम बहुत काम करते हैं। हमें टैनिंग हो जाती है और हम डीहाईड्रेटेड फील करते हैं, इसलिए हमने विटामिन्स के इंजेक्शन लिए थे। एक्ट्रेस ने आगे कहा- क्या मैं उसे लेने के बाद व्हाइट हो गई थी? अगर ऐसा होता तो फिर मैं हर ड्रामा में व्हाइट ही दिखती, लेकिन ऐसा नहीं है।

हनी सिंह की जिंदगी में हुई टीना ठडानी की एंट्री

रैपर हनी सिंह अक्सर अपने गानों को लेकर खबरों में छाए रहते हैं, लेकिन इस बार वह अपनी नई लेडी लव को लेकर चर्चा में हैं। हनी सिंह की जिंदगी में एक बार फिर प्यार ने दस्तक दी है। एक्स वाइफ शालिनी तलवार से तलाक के बाद रैपर का दिल मॉडल टीना ठडानी पर फिदा हो गया है। हाल ही में एक इवेंट में दोनों को साथ में स्पॉट किया गया। इवेंट में हनी टीना का हाथ थामे नजर आए, आप भी देखिए ये वीडियो।

हनी सिंह को दिल्ली में एक इवेंट में अपनी नई गर्लफ्रेंड टीना ठडानी के साथ स्पॉट किए गए। यहां वह सबके सामने वह टीना का हाथ पकड़े नजर आए। दोनों पहली बार पब्लिकली साथ में देखे गए हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे है कि सिंगर ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया है। इवेंट में जहां हनी सिंह व्हाइट शर्ट, ब्लैक पैंट और ब्लेजर में दिखे, तो टीना ब्लैक थाई हाई स्लिट ड्रेस में स्टनिंग लग रही थीं।

सोशल मीडिया पर हनी सिंह और टीना ठडानी के इस वायरल

वीडियो पर फैंस कमेंट बॉक्स में प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, वाह भाई आपके ही मजे हैं, काफी खुश हूं कि आप खुश हैं, नई गर्लफ्रेंड मुबारक हो दूसरे ने लिखा, वाइफ सही बोल रही थी, आपकी गर्लफ्रें है।

वहीं, एक अन्य ने लिखा, तभी तलाक हुआ क्योंकि नई गर्लफ्रेंड से मिलवाना था। इसके अलावा हनी सिंह को फिर से पुराने अवतार में देख फैंस बेहद प्रसन्न नजर आ रहे

बॉलीवुड | मसाला

हैं। हनी सिंह के साथ नजर आई मॉडल को टीना ठडानी पेरिस का ट्रिप गाने में दिख चुकी हैं। बता दें कि हनी सिंह का शालिनी तलवार से 2022 में तलाक हो चुका है। शालिनी ने हनी सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि हनी सिंह ने उनके साथ मारपीट की और इमोशनली और मेंटली बुरी तरह टॉर्चर किया था। वहीं, हनी सिंह ने इन सभी आरोप को गलत बताया था।

छोटे पर्दे पर कमबैक करने जा रही हैं अंगूरी भाभी

हाल में ही झलक दिखला जा के सीजन 10 में नजर आ चुकीं शिल्पा शिंदे जल्द ही डेली शोप में भी नजर आने वाली हैं। उनके चाहने वाले लाखों में हैं। बिग बॉस में भी शिल्पा ने अपने खेल से दर्शकों को खूब लुभाया था। अब शिल्पा एक बार फिर एक नए शो के साथ टीवी इंडस्ट्री में वापसी करने जा रही हैं। शिल्पा अब एकबार फिर कॉमेडी शो मैडम सर में एक पुलिस वाले की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

शिल्पा शिंदे जल्द सब टीवी के एक शो मैडम सर में नजर आने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिल्पा इस शो की मुख्य किरदार गुल्की जोशी को रिप्लेस करेंगी। हालांकि, अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि शिल्पा उनकी जगह लेंगी या फिर सिर्फ शो में

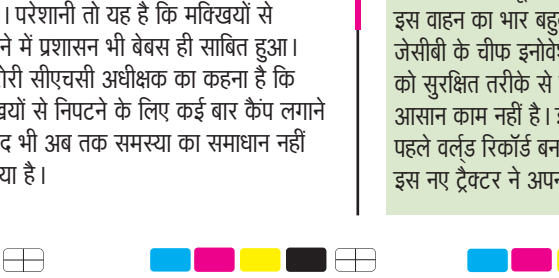

शामिल होंगी। यह शो लखनऊ की चार महिला पुलिस अधिकारियों पर आधारित है, जो एक महिला पुलिस स्टेशन में काम करती हैं।

मीडिया से बात करते हुए शिल्पा ने अपने किरदार के बारें में बताया कि मेरा किरदार पुलिस ऑफिसर का है। रोल में खास बात यह है कि उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी है और अपनी शादी पर सारा ध्यान लगाने के लिए अपने सपनों को भूल गईं हैं। शिल्पा ने बताया कि शो का टाइटल बहुत आकर्षक है और मैं इससे खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हूं। घर पर मेरे साथ काम करने वाले सभी लोगों ने मुझे बॉस या सर कहकर बुलाया है।

शिल्पा को झलक दिखला जा 10 में देखा गया था, लेकिन जल्द ही वे शो से बाहर हो गईं। उन्होंने शो में अपने अनुभव को साझा किया था कि, उस तीन मिनट के अभिनय के लिए, एक कलाकार क्या करता है, क्या आपको कोई अंदाजा भी है? शो से बाहर आने के बाद उन्होंने करण जौहर से भी पंगा लिया था।

अजब-गजब | घर छोड़कर भाग रही बहुएं, कुंवारे बैठे हैं लड़के

गांवों में मक्खियों की वजह से टूट रहे विवाह

आपने शादी टूटने के कई कारण सुने होंगे लेकिन कभी आपने सुना है कि मक्खियों की वजह से लोगों की शादियां टूट जाएं। यह बात जितनी आश्चर्यजनक लग रही है उतनी ही सही है। एक छोटे से जीव की वजह इतना आतंक है कि बहुएं ससुराल छोड़कर अपने पीहर जा रही हैं। कुछ गांवों में मक्खियों के आतंक के चलते लड़कों की शादियों पर ग्रहण लग गया है। यहां कोई भी अपनी बेटी देने को तैयार ही नहीं है। ऐसे में इन गांवों के लड़के कुंवारे रह रहे हैं। मक्खियों का आतंक ऐसा फैला कि एक दो नहीं 10 गांवों में शादी के टोटे पड़ गए।

मायके वापस चली गईं बहुएं

इन गांवों में मक्खियों का इतना आतंक हैं कि अगर कोई यहां शादी के लिए लड़का देखने आता है तो दोबारा लौटकर नहीं आता। वहीं जिन लड़कियों की शादी इन गांवों में हो गई हैं वे भी भागकर मायके वापस चली जाती है। यह हाल हरदोई के उन गावों का है, जहां मक्खियों के चलते लड़कों की शादी होनी बंद हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर प्रदेश के हरदोई में एक दो नहीं कुल 10 गांव ऐसे हैं, जहां मक्खियों के प्रकोप के चलते कोई भी लड़की इस गांव में बहू बनकर आने को तैयार नहीं है। जिन लड़कों की शादियां हो भी गयी थी, उनकी पत्नियां भी

अब लड़-झगड़कर अपने मायके वापस चली गईं। जिन लड़कियों की शादियां इन गांवों में हुई है उन सभी की ज़िद थी कि या तो लड़का अपना गांव छोड़ें या वो ससुराल छोड़ देंगी। अब स्थिति यह है कि पिछले 1 साल से गांव में कोई शादी हुई ही नहीं है। क्योंकि गांव में मक्खियां इतनी ज्यादा हो चुकी है कि जीना दूभर हो गया है। जो यहां रहते हैं उनकी तो मजबूरी है लेकिन कोई और यहां आने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि लड़कों की शादी मुश्किल हो गई। यहां कोई अपनी बेटी देने को तैयार नहीं है।

अब यहां के गांव वाले मक्खियों से छुटकारा पाने के लिए गांव के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। धरने में गांव की महिलाएं भी शामिल हो रही हैं। बताया गया कि 2014 से पहले यहां हालात सामान्य थे लेकिन उसके बाद यहां एक कमर्शियल पोल्ट्री फॉर्म खुला। कुछ दिन तक तो सब ठीक चल रहा था, लेकिन धीरे-धीरे मक्खियों की आबादी सैकड़ों गुना बढ़ गई है। अब पूरे 10 गांव इन मक्खियों का प्रकोप झेल रहे हैं। पॉल्ट्री फार्म के सबसे करीब बढ़ईनपुरवा गांव है। मक्खियों का सबसे ज्यादा प्रकोप यहीं पर है। परेशानी तो यह है कि मक्खियों से निपटने में प्रशासन भी बेबस ही साबित हुआ। अहिरोरी सीएचसी अधीक्षक का कहना है कि मक्खियों से निपटने के लिए कई बार कैंप लगाने के बाद भी अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

कई कारों से भी ज्यादा तेज चलता है दुनिया का सबसे फास्ट ट्रैक्टर

आपने कभी न कभी ट्रैक्टर तो जरूर देखा होगा जिसकी मदद से खेत जोते जाते हैं या फिर भारी सामानों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जाता है। अगर आप ग्रामीण इलाके के होंगे तो आपने ट्रैक्टर की सवारी भी की होगी। दोनों ही स्थितियों में आप इस बात से तो वाकिफ होंगे कि ट्रैक्टर ज्यादा तेज स्पीड से नहीं चल पाता। तेज-तर्रार कारों जितना तो बिल्कुल भी नहीं, मगर दुनिया के सबसे तेज ट्रैक्टर की बात ही अलग है। ये इतना फास्ट है कि इसे आप कई स्पोर्ट्स कारों से भी तेज चला सकते हैं। ऑडिटी सेंट्रल न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार अंग्रेजी ट्रैक्टर निर्माता कंपनी जेसीबी का फास्ट्रैक टू ट्रैक्टर दुनिया का सबसे तेज ट्रैक्टर है। इसकी टॉप स्पीड है 247 किलोमीटर प्रति घंटे। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि इसे सबसे फास्ट क्यों कहा जाता है। ट्रैक्टर की स्पीड इतनी ज्यादा है कई स्पोर्ट्स कारों की स्पीड भी इतनी नहीं होती है। ट्रैक्टर निर्माता गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में सबसे तेज ट्रैक्टर का नाम दर्ज करवाना चाहते थे। इसलिए उन्होंने कंपनी के ट्रैक्टर का एक विकसित स्वरूप डिजाइन किया जिसने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया। साल 2019 में हुए इस टेस्ट के दौरान ट्रैक्टर ने 2 किलोमीटर की यात्रा की जिसमें उसकी एवरेज स्पीड 217 किलोमीटर प्रति घंटे थी और टॉप स्पीड 247 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची थी। इस ट्रैक्टर में 7 लीटर, 6-सिलेंडर वाला डीजल मैक्स इंजन है वहीं इसकी पीक पावर 10.16 हॉर्स पावर है जबकि 2500 न्यूटन-मीटर टॉर्क है। भले ही ये चलने में इतना तेज है, उसके बावजूद इस वाहन का भार बहुत ज्यादा है। ये 5 टन यानी 5 हजार किलो वजनी ट्रैक्टर है। जेसीबी के चीफ इनोवेशन और ग्रोथ ऑफिसर टिम बर्नहोप ने कहा कि 5 टन ट्रैक्टर को सुरक्षित तरीके से टॉप स्पीड तक पहुंचाना और फिर उसकी स्पीड को स्लो करना आसान काम नहीं है। इससे पहले जेसीबी का एक और फस्टट्रैक ट्रैक्टर 2019 में ही पहले वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुका था जिसकी स्पीड 166 किलोमीटर प्रति घंटे थी। अब इस नए ट्रैक्टर ने अपनी ही कंपनी के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

गोरखपुर में खून का रिश्ता हुआ कलंकित

जमीनी विवाद में छोटे भाई को पीटकर उतार दिया मौत के घाट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। गोरखपुर जिले के जंगल तिनकोनिया नंबर एक गांव में भूमि विवाद में युवक ने छोटे भाई को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पड़ोसियों की मदद से गंभीर स्थिति में पत्नी बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले गई जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हत्या का मुकदमा दर्ज कर शाहपुर थाना पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया।

गांव के केवटहिया टोला निवासी जितेंद्र उर्फ आलू का मजदूरी कर परिवार की जीविका चलाता था। पत्नी सुधा ने शाहपुर थाना पुलिस को बताया कि रात में नशे में घर पहुंचे जितेंद्र के बड़े भाई धर्मेंद्र हंगामा करने लगे। मना करने पर दरवाजे पर खड़े होकर गाली देने लगे। हटाने का प्रयास करने पर डंडे से हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से जितेंद्र अचेत होकर गिर गए। गंभीर स्थिति में पड़ोसियों की मदद से बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले गई जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक थाना शाहपुर मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि सुधा की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपित को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस ने हिरासत में लिया हत्यारोपी

मामी पर भांजे को भगाने का आरोप

एक व्यक्ति ने अपने नाबालिग बेटे को भगाने के आरोप में थाना पुलिस को तहरीर दी है। जानकारी के अनुसार खोराबार की एक लड़की की शादी दस वर्ष पहले गुलरिहा क्षेत्र के एक गांव में हुई है। नाबालिग के पिता की शादी भी उसी गांव में हुई है।

यह है आरोप

व्यक्ति ने तहरीर में बताया है कि उसके सबसे छोटे बेटे की उम्र 16 वर्ष है। ननिहाल आने-जाने के दौरान रिश्ते में लगने वाली उसकी मामी से बेटे की बातचीत होने लगी। आरोप है कि महिला उसके बेटे को बहला फुसलाकर भगा ले गई है। नाबालिग के पिता का कहना है कि उसका पुत्र हैदराबाद में रहता है। उसकी मां से एक माह पहले तक मोबाइल पर बातचीत हुई थी। उसके बाद से उसका फोन बंद चल रहा है। नाबालिग के पिता ने बेटे के साथ अनहोनी की आंशका भी जताई है। थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

हाथ तो मिले पर दिल नहीं

सचिन समर्थकों के पोस्टर हटने से राजस्थान में फिर सामने आई कांग्रेस की कलह

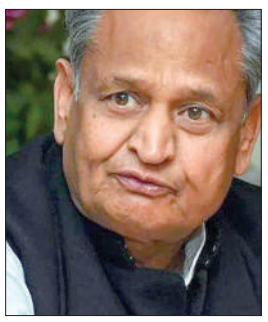

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में यह कोशिश बताने की कोशिश की जा रही है कि प्रदेश में अशोक गहलोत वर्सेज सचिन पायलट जैसी कोई स्थिति नहीं है। लेकिन प्रदेश के कोटा में कुछ ऐसा देखने को मिला है, जिसने फिर से कांग्रेस की अंतर्कलह की बात सामने ला दी है। राहुल की यात्रा अभी राजस्थान के कोटा से गुजर रही है। नेतृत्व परिवर्तन को लेकर 25 सितंबर को गहलोत और पायलट खेमे के बीच मचे घमासान के बाद राहुल गांधी ने पिछले दिनों दोनों नेताओं को पार्टी का असेट बताकर मुद्दे को शांत करने की कोशिश की थी।

कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के हाथ मिलवाए थे। लेकिन कोटा में देखने को मिला है कि असल में दोनों नेताओं के हाथ तो मिले लेकिन दिल नहीं मिले हैं। इस बात की तस्दीक राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कोटा पहुंचने के बाद हुई है। दरअसल कोटा में कांग्रेस के बोर्ड वाले नगर निगम ने राहुल गांधी सचिन पायलट के पोस्टर उनके समर्थकों ने लगाए थे उन्हें हटा दिया गया। नगर निगम प्रशासन के कार्मिकों की ओर से यह दलील यह दी गई कि इन होर्डिंग्स-पोस्टर की परमिशन नहीं ली गई थी। इधर पायलट समर्थकों का आरोप है कि कोटा शहर में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और उनके चेहते शहर जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष रविंद्र त्यागी के कहने से ही ये पोस्टर होर्डिंग्स सड़कों से नहीं हटाए गए हैं।

आचार्य प्रमोद ने किया वीडियो को रीट्वीट

बताया जा रहा है कि यहां पायलट समर्थकों की ओर से राहुल गांधी और सचिन पायलट के फोटो के साथ लगे उन सभी हॉर्डिंग्स-पोस्टर हटा दिए गए है। पायलट समर्थकों के पोस्टर हटाए जाने के बाद इस बात का खुलकर विरोध किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर होर्डिंग से बैनर हटाने का वीडियो वायरल हो रहा है, जो हाईकमान तक पहुंच गया है। सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी को भी पायलट समर्थकों ने इस संबंध में जानकारी दी है। इधर कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद ने भी वायरल वीडियो के ट्वीट को रीट्वीट किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में एक बार फिर से प्रदेश में अशोक गहलोत सचिन पायलट की तकरार बढ़ सकती है।

गाड़ी पार्क करने की टशन में मारपीट, एक की हालत नाजुक

» दो घायलों को जिला अस्पताल तो एक को बीएचयू ट्रॉमा किया गया रेफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। गाजीपुर के चोचकपुर निवासी अशोक सिंह की बेटी की शादी तैयारी छोटा लालपुर स्थित एसपी लॉन में हो रही थी। इसी बीच लॉन के सामने वेल्डिंग की दुकान के सामने शादी में आए कुछ लोगों ने गाड़ी खड़ी कर दी। इसको लेकर विवाद हो गया। सूचना पाकर कैंट, लालपुर-पांडेयपुर, सारनाथ और शिवपुर थाने की फोर्स पहुंच गई। एसीपी कैंट, सारनाथ भी पहुंच गए।

छोटा लालपुर स्थित लॉन के बाहर बुधवार की रात दुल्हन पक्ष और आसपास के रहने वालों के बीच कार पार्किंग को लेकर मारपीट हो गई। इसमें सात लोग घायल हो गए। घायलों में दो युवकों को सिंह मेडिकल मलदहिया और एक को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। अन्य चार का जिला अस्पताल में उपचार किया गया। मौके पर लालपुर-पांडेयपुर, कैंट, शिवपुर, सारनाथ आसपास थानों की फोर्स मौजूद है। लॉन बंद कर दे रात तक हमलावरों की तलाश की गई। आरोप है कि लान में आयोजित शादी में शामिल होने आए युवकों ने मारपीट की। लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने आसपास लगे सीसी कैमरों को खंगाला।

गाजीपुर के चोचकपुर निवासी अशोक सिंह की बेटी की शादी तैयारी छोटा लालपुर स्थित एसपी लॉन में हो रही थी। इसी बीच लॉन के सामने वेल्डिंग की दुकान के सामने शादी में आए कुछ लोगों ने गाड़ी खड़ी कर दी। इसको लेकर विवाद हो गया। सूचना पाकर कैंट, लालपुर-पांडेयपुर, सारनाथ और शिवपुर थाने की फोर्स पहुंच गई। एसीपी कैंट, सारनाथ भी पहुंच गए। घायलों में अशीष विश्वकर्मा, नरेंद्र पटेल, गौरव, बच्चे लाल, आयुष यादव, विक्की व नंदन हैं। आयुष को बीएचयू और नंदन व विक्की को सिंह मेडिकल में भर्ती कराया गया। घायल सभी छोटालालपुर के रहने वाले हैं। लालपुर-पांडेयपुर थाना प्रभारी परमहंस गुप्ता ने बताया कि सीसी कैमरे के जरिए आरोपियों की पहचान की जा रही है। घायलों का आरोप है कि मारपीट के बाद सभी हमलावर लॉन के अंदर घुस गए और अंदर से लान का दरवाजा बंद लिया था। लॉन संचालक के पास खुद की पार्किंग की व्यवस्था नहीं है।

तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान मैंडूस की आहट

» भारी बारिश की चेतावनी के बाद 5000 राहत कैंप किये गए हैं तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान का खतरा मंडराने लगा है। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र गहरे दबाव में बदल गया है और यह गुरुवार शाम तक मैंडूस नामक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो जाएगा। इस तूफान का असर उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और निकटवर्ती दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पर होगा। अगले 48 घंटे में यह विकराल रूप ले सकता है।

तमिलनाडु के उत्तरी तटीय जिलों में अगले तीन दिनों तक बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। राज्य सरकार ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अपनी पूरी मशीनरी को तैयार कर लिया है। वहीं तूफान के खतरे को देखते हुए सावधानी बरती जा रही है। राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को तैयार रहने का निर्देश दिया है और छह जिलों में एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। राज्य सरकार ने तूफान की आशंका वाले जिलों में 5,000 से अधिक राहत शिविर खोले हैं, जिनमें निचले इलाकों से निकाले गए लोगों को रखा गया है। शिविर में रह रहे लोगों को सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। बारिश के प्रभाव की निगरानी के लिए चौबीसों घंटे एक नियंत्रण कक्ष भी खोला गया है, जो अगले दो दिनों तक होने वाले भारी बारिश तथा उसके कारण होने वाले असर पर नजर बनाये रखेगा।

एमसीडी के नतीजों का 2024 में भी दिखेगा असर?

» भाजपा के लिए दिल्ली में आसान नहीं होगा आप के पार्षद तोड़कर अपना मेयर बनाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के म्युनिसिपल चुनावों में आम आदमी पार्टी की जीत सुनिश्चित हो गई है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि भारतीय जनता पार्टी के लिए राष्ट्रीय राजधानी में अब कितनी राजनीतिक जमीन शेष है ऐसे में क्या एमसीडी के नतीजों का असर 2024 में भी दिखेगा? इस पर 6 बजे परिचर्चा हुई! जिसमें वरिष्ठ पत्रकार अनिल जयहिंद, एजुकेशनिस्ट शुभ लक्ष्मी, आप प्रवक्ता वंशराज, राजनीतिक विश्लेषक प्रबल प्रताप शाही के साथ अभिषेक कुमार कि लम्बी चर्चा हुई।

अनिल जयहिंद ने कहा, दिल्ली के चुनाव में जो नतीजे आये हैं वो गुजरात के सूरत में नगर निगम में अच्छा प्रदर्शन किया। बीजेपी को लग रहा था रूलर बेल्ट में अच्छा प्रदर्शन करेंगी लेकिन जो उनके फीड बैक जो अभी तक आ रहे हैं वो कल साफ हो जाएंगे। एक लिमिटेशन हैं जो उत्तर भारत है उसमे जब तक किसी की अपील न हो कि वो जीत रहे हैं। शुभ लक्ष्मी ने कहा,मुझे लगता हैं ये एक बहुत एक बहुत बड़ा एक सिम्बल हैं जो एक एजुकेशनिस्ट के नाते भी मैं बोल रही हूं जो इनका गवर्नेस मॉडल बहुत अच्छा हैं जिसको ये दिल्ली मॉडल भी कहते हैं जिसको लेकर ये दिल्ली की जनता के बीच गए हैं और पंजाब में भी दिल्ली मॉडल लेकर गए इसी पर विश्वास करके जनता ने उनको हाथों हाथ लिया हैं। वंशराज ने कहा, मैं धन्यवाद देता हूं आपके चैनल की तरफ से जनता को तहे दिल से जो अरविंद केजरीवाल को प्यार दिया समर्थन दिया उसके लिए। और 15 साल के कूड़े राज को जो खत्म करने का काम दिल्ली की जनता ने किया है। दो चीजे आपने इस चुनाव में देखा खासकर के चुनाव में आम आदमी पार्टी के साथ दिल्ली की जनता खुशी से थी। दूसरी तरफ बीजेपी सुबह से शाम तक 10 वीडियो रिलीज करते थे और सोचते थे हिट हो जाये, लेकिन कुछ गानो की वजह से फ्लॉप हो गया।

प्रबल प्रताप शाही ने कहा, 2024 में अरविंद केजरीवाल कोई और पार्टी होती या कोई और राज्य होता तो दल बदल जाता और बीजेपी अपना मेयर बना लेती। आपको बता दूं आगे की रह आसान नहीं हैं। ग्राउंड पर ये सब अलग दिखता हैं। अगर आप बीजेपी को आगे आप पार्टी को देखते हैं तो ये गलत हैं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

डिंपल यादव ने रच दिया इतिहास, यूपी के नतीजे भाजपा के लिये खतरे की घंटी

मैनपुरी में शुरुआत से बनी बढ़त दिन चढ़ने के साथ ही बढ़ती चली गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा सीट पर सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने इतिहास रच दिया है। उपचुनाव में सपा ने इस सीट पर बड़ी जीत दर्ज की है। स्व. मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी सीट पर भाजपा ने सपा को हराने के लिये एड़ी-चोटी का जोर लगाया था, मगर जनता ने यहां भाजपा प्रत्याशी रघुराज शा य को पूरी तरह नकार दिया। डिंपल यादव की इस जीत से मुलायम परिवार का वर्चस्व यहां बरकरार रहा और उपचुनावों के नतीजों ने आगामी चुनाव के लिये भाजपा के लिए खतरे की घंटी बजा दी है।

सुबह शुरू हुई मतगणना में शुरुआत से ही सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने बढ़त बना ली थी। डिंपल की बढ़त दिन चढ़ने के साथ ही बढ़ती चली गयी। दोपहर दो बजे तक मतगणना के मिले रुझानों में भाजपा प्रत्याशी रघुराज शाक्य पर डिंपल यादव ने करीब ढाई लाख वोटों की लीड ले ली। उधर, सपा का गढ़ कहे जाने वाली जसवंतनगर विधानसभा सीट जिससे वर्तमान में शिवपाल यादव विधायक हैं, इस सीट पर सपा को भाजपा पर एक लाख से अधिक वोटों की जीत मिली है। इसके अलावा सपा प्रमुख अखिलेश यादव की करहल विधानसभा से भी सपा को बड़े अन्तर से बढ़त मिली है। समाचार लिखे जाने तक मैनपुरी लोकसभा सीट पर वोटों की गिनती जारी थी। डिंपल यादव को 4 लाख 70 हजार से अधिक और भाजपा प्रत्याशी दो लाख 40 हजार मत मिल चुके थे।

4,70,000

से अधिक मत डिंपल यादव को मिले, भाजपा प्रत्याशी को दो लाख 40 हजार से अधिक वोट

सपा की इस जीत से मुलायम परिवार का वर्चस्व यहां बरकरार रहा

प्रसपा का सपा में विलय, अखिलेश ने दिया चाचा शिवपाल को साइकिल का झंडा

मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में सपा प्रत्याशी डिंपल यादव को मिले अपार जनसमर्थन के बाद समाजवादी पार्टी और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी का विलय हो गया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने गुरुवार को संयुक्त रूप से सैफई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह घोषणा की। सैफई में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रगतिशील पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल ने अपनी पार्टी का विलय करने का निर्णय लिया है।

खतौली में नल की बढ़त, रामपुर में साइकिल की जीत पर संशय

दोपहर दो बजे तक चुनाव आयोग से मिले आंकड़ों के मुताबिक खतौली विधानसभा सीट पर राष्ट्रीय लोकदल-सपा गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया ने भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी सैनी पर बढ़त बनाई हुई थी। खतौली में रालोद की बढ़त 13 हजार से अधिक वोटों की है। 19वें राउंड की मतगणना तक मदन भैया को 68 हजार 500 से अधिक मत मिल चुके थे जबकि राजकुमारी सैनी को 55 हजार वोट मिले थे। उधर आजम खां के गढ़ रामपुर विधानसभा सीट पर भी समाजवादी पार्टी की साइकिल आगे चल रही है। अभी तक की मतगणना में सपा प्रत्याशी मो. आसिम राजा को 31106 और भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना को 29672 मत मिले हैं।

मैनपुरी में कायम है स्व. नेताजी का जलवा : शिवपाल यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव रिकॉर्ड जीत के करीब पहुंच गई हैं। उन्होंने लाखों वोटों की बढ़त बना ली है। इसे लेकर समाजवादी पार्टी में जश्न का माहौल है। इस बीच प्रसपा मुखिया शिवपाल यादव ने इसे नेताजी के आदर्शों की जीत बताया है। शिवपाल ने कहा कि मैनपुरी में अब भी नेताजी का जलवा कायम है। नेताजी और समाजवादियों ने यहां पर जो विकास किया है, यह नतीजा उसका ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि जो विकास समाजवादियों ने किया है, उसकी जीत है। नेताजी के नाम से वोट पड़े हैं और अब भी नेताजी का जलवा कायम है। उन्होंने कहा कि मैनपुरी चुनाव के प्रचार के दौरान योगी सरकार के जो भी मंत्री यहां आते थे, सीधा अधिकारियों से वोट मांगते थे। उसको बंद कर दो। उस पर मुकदमा कर दो। तब भी जनता नेताजी के आदर्शों और विकास पर जनता ने जीत दिला दी। शिवपाल ने कहा कि हम दोनों (शिवपाल-अखिलेश) इसी तरह से मिलकर आगे भी काम करेंगे।

फोटो: सुमित कुमार

केशव को डिलीट करना पड़ा ट्वीट

लखनऊ। यूपी उपचुनाव के परिणाम के बीच प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य अपने एक ट्वीट को लेकर लोगों के निशाने पर आ गए। दरअसल, एक लोकसभा और दो विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में समाजवादी और आरएलडी बड़े अंतर से जीते हैं। ऐसे में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने उपचुनावों के परिणामों को लेकर एक ट्वीट किया था, जिस पर सपा नेता आईपी सिंह ने तंज कसते हुए इसका उत्तर दिया था कि ट्वीट को डिलीट मत करिएगा, मगर केशव प्रसाद ने ट्वीट को डिलीट कर दिया। बस फिर क्या था, केशव प्रसाद लोगों के निशाने पर आ गए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वि ीय सलाहकार: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।